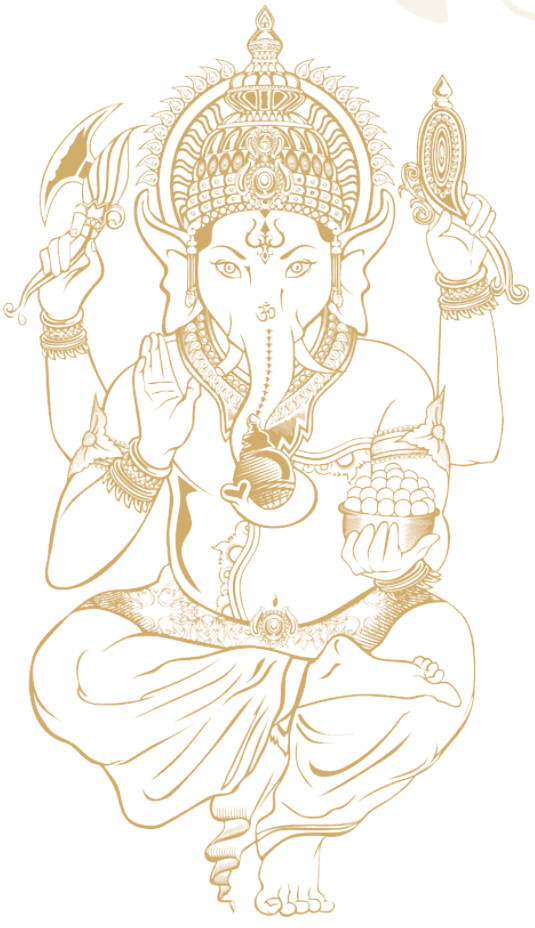

Aakash kute

Sujata sanap

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121680102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30-01/05/1995	जन्म तिथि	27-28/02/1994
रवि-सोमवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 00:30:00	जन्म समय	01:45:00 घंटे
घटी 46:05:43	जन्म समय(घटी)	47:04:20 घटी
India	देश	India
Sakri	स्थान	Sinnar
20:59:00 उत्तर	अक्षांश	19:52:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व	रेखांश	74:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:44	स्थानिक संस्कार	-00:33:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:42	सूर्योदय	06:55:40
18:56:43	सूर्यास्त	18:37:53
23:47:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 5मा 21दि	03:22:32	मक	लग्न	वृश्चि	23:45:24	चन्द्र 9वर्ष 11मा 19दि
राहु	16:10:24	मेष	सूर्य	कुंभ	15:13:46	राहु
21/10/2017	27:49:57	मेष	चंद्र	कन्या	10:02:21	17/02/2011
21/10/2035	26:18:42	कर्क	मंगल	कुंभ	00:13:53	17/02/2029
राहु 03/07/2020	03:06:23	वृष	बुध व	कुंभ	00:30:27	राहु 30/10/2013
गुरु 26/11/2022	20:17:35	वृश्चि व	गुरु	तुला	20:52:32	गुरु 25/03/2016
शनि 02/10/2025	16:37:10	मीन	शुक्र	कुंभ	25:18:06	शनि 30/01/2019
बुध 21/04/2028	27:32:11	कुंभ	शनि	कुंभ	09:48:27	बुध 18/08/2021
केतु 09/05/2029	11:48:33	तुला व	राहु व	वृश्चि	03:19:59	केतु 06/09/2022
शुक्र 09/05/2032	11:48:33	मेष व	केतु व	वृष	03:19:59	शुक्र 05/09/2025
सूर्य 03/04/2033	06:40:17	मक	हर्ष	मक	01:01:32	सूर्य 31/07/2026
चन्द्र 03/10/2034	01:45:14	मक व	नेप	धनु	28:43:15	चन्द्र 30/01/2028
मंगल 21/10/2035	05:58:14	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	04:17:33	मंगल 17/02/2029

लग्न-चलित

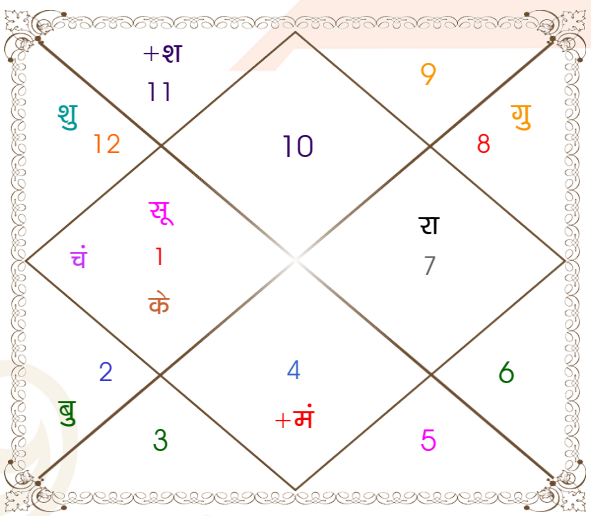

लग्न-चलित

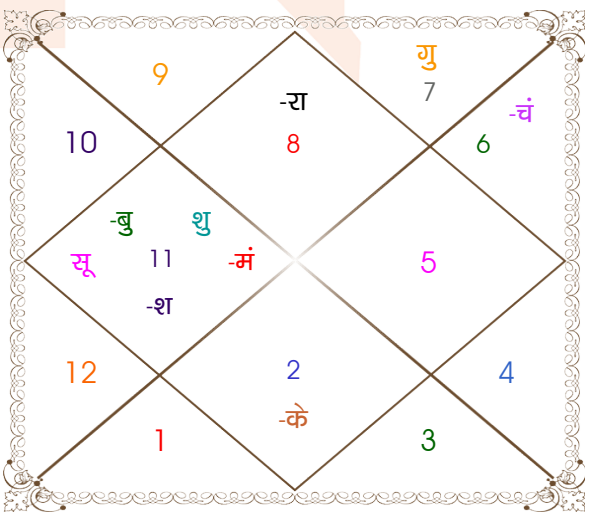

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ाौी ानजम का वर्ग गरूड़ है तथा Sujata sanap का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ाौी ानजम और Sujata sanap का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ाौी ानजम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ाौी ानजम कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ाौी ानजम कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ीी ानजम कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sujata sanap मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

ीी ानजम तथा Sujata sanap में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।